हिन्दी पखवाड़ा -2022 - प्रतिवेदन

संस्थान में हिन्दी पखवाड़ा -2022 का उद्घाटन 14 सितंबर 2022 को 3.00 बजे सभागृह में आयोजित किया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ मंच पर उपस्थित संयुक्त निदेशक एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष डा. एन. पर. साहू, संयुक्त सचिव श्री राजीव लाल, समस्त विभागाध्यक्ष एवं मुख्य तकनीकी अधिकारी श्री प्रताप कुमार दास के कर कमलों से दीप प्रज्ज्वलित कर हुआ ।

तत्पश्चात श्रीमती स्मिता कोली, सहा. प्र. अधिकारी ने स्वागत गान प्रस्तुत किया । स्वागत गान के पश्चात कार्यक्रम अध्यक्ष डा. एन. पी. साहू ने राजभाषा प्रतिज्ञा का वाचन कर समस्त कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं को शपथ ग्रहण करवया । इसके बाद श्री प्रताप कुमार दास, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने हिन्दी दिवस की पृष्ठभूमि एवं महत्ता पर प्रकाश डालते हुए संस्थान के विगत तीन दशकों का हिन्दी प्रगति प्रतिवेदन तथा हिन्दी पखवाड़ा - 2022 की रुपरेखा प्रस्तुत किया । संस्थान की हिन्दी प्रगति पर भूतपर्व महानिदेशक डा. आर. एस. परोदा की विशेष टिप्पणी का भी उल्लेख किया गया जिसमें उन्होंने कहा था कि

"आप अगर हिन्दी के नाम पर भी मुझे संस्थान बुलाया होता तो मैं अवश्य आता । जितना नाम सुना था देखा तो सही पाया ।

इसके बाद अध्यक्ष महोदय ने हिन्दी दिवस के इस पावन पुनीत अवसर पर विभागाध्यक्षों को भी उद्बोधन हेतु आमंत्रित किया । इस नियंत्रक श्री रजनीश कुमार सिंह ने भी
अपने विचार प्रस्तुत किए । तत्पश्चात संस्थान में नवनियुक्त संयुक्त सचिव श्री राजीव लाल जी ने हिन्दी दिवस के विशेष अवसर वर अपने उद्बोधन प्रस्तुत किए । आपने हिन्दी में कार्य करने पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिन्दी अनुभाग के अधिकारी प्रशासन सहित सभी विभागाध्यक्षों में स्वयं जाकर अधिकारियों के पास बैठक हिन्दी में उनकी समस्याओं का निवारण करें और हिन्दी में कार्य की प्रतिशतता को बढ़ाएं । प्रशासन से निर्गत होनेवाले

समस्त आदेशों, परिपत्रों आदि प्रलेखों का अनुवाद प्रस्तुत कर द्विभाषी में जारी करने की सुविधा प्रदान करें । इसके लिए कर्मचारियों एवं हिन्दी अनुभाग के बीच समन्वय दोनों आवश्यक है । हिन्दी केवल समरोह की भाषा बनकर न सीमित रह जाए बल्कि हम सभी जिम्मेदारी पूर्वक इस संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करें ।

इसके उपरांत संयुक्त निदेशक कार्यक्रम के अध्यक्ष डा. एन. पी. साहू ने अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में हिन्दी के बढ़ते कद, प्रसार-प्रचार, बाजार व्यवसाय, सिनेमा, साहित्यिक उत्थान, शिक्षा सभी विषयों पर हिन्दी की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला । आपने सभा को अवगत कराया कि हिन्दी आज विश्व के 176 विश्वविद्यालयों में भाषा एवं साहित्य के रुप में पढ़ाया एवं सिखाया जा रहा है । भारतीय सिनेमा के कुछ चुनिंदा फिल्म भारत से अधिक विदेशों में राजस्व की कमाई किया है । इससे हिन्दी की लोकप्रियता समझी जा सकती है । आपने आंकड़ों के जरिए हिन्दी के विकास की यात्रा प्रस्तुत की । आपने राजभाषा विभाग द्वारा संचालित पुरस्कार योजनाओं तथा हिन्दी टूल्स का भी विस्तार से जानकारी प्रस्तुत की । संस्थान की हिन्दी उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुआ यह भी सलाह दिया कि विगत कई वर्षों से संस्थान को हिन्दी को हिन्दी के क्षेत्र में कोई राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार प्राप्त नहीं हुआ है । अत: इस कार्य हेतु प्रयास किए जाएं । वैज्ञानिकों से मौलिक हिन्दी पुस्तक लेखन का भी आहवान किया । आपने जलचरी पत्रिका हेतु ISBN No. प्राप्त करने का भी उल्लेख किया जिससे वैज्ञानिकों को इसमें हिन्दी लेख का लाभ मिल सके ।

तत्पश्चात हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत दिनांक 15 सितम्बर का आशुभाषण का आयोजन किया गया जिसमें भाषण संबंधित विषय तत्काल दिए गए । इसमें 10 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया । यह प्रतियोगिता डा. एस. पी. शुक्ला एवं डा. किरण रसाल के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया । निर्णायक डा. आर. पी. रमण एवं डा. एस. के. जैसवार थे ।

दिनांक 17 सितम्बर, 2022 को डा. अपर्णा चौधरी मैडम की अध्यक्षता में सायंस क्लब का आयोजन किया गया जिसमें लखनऊ विश्वविद्यालय से प्रो. शेर अली ने "मानव स्वास्थ्य एवं व्यक्ति विशेष उपचार" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किए ।

दिनांक 17 सितम्बर, 2022 को निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । यह प्रतियोगिता डा. आशा लांडगे एवं डा. दीपिता आर. पी. के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया ।

दिनांक 19 सितंबर, 2022 को छात्रों हेतु भाषण प्रतियोगिता का अ ायोजन किया गया जिसमें लगभग 12 छात्रों ने भाग लिया । इसके निर्णायक डा. एस. एन. ओझा एवं डा. विद्या श्री भारती थी तथा आयोजक समिति डा. टिन्सी वर्गीस एवं शामना एम. एन. थे ।

दिनांक 21 सितम्बर, 2022 को संस्थान में स्वरचित गीत एवं कविता पठन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इस प्रतियोगिता में भी 10 प्रतिभागियों ने भाग लिया । यह कार्यक्रम भी काफी रोचक रहा ।

दिनांक 21 सितम्बर, 2022 को महिला दिवस का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत महिलाओं ने कुछ प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया ।

दिनांक 24 सितम्बर, 2022 को कर्मचारियों एवं छात्रों के लिए संयुक्त रुप में शुध्दलेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इसमें वर्तनी अशुध्दियां वाक्य अशुध्दियां को शुध्द रुप में लिखना था । यह कार्यक्रम डा. सुबोध गुप्ता एवं डा. मनोज ब्राम्हणे की अगुआई में की गई ।

दिनांक 24 सितम्बर, 2022 को डा. एन एस. नागपुरे एचं मनीष जयंत की समिति ने हिन्दी टिप्पण / आलेखन प्रतियोगिता आयोजित की ।

दिनांक 27 सितम्बर, 2022 को बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता के अंतर्गत दो विषय पर घर से चित्र बनाकर लाने को कहा गया । इसमें 10बच्चों ने भाग लिया । प्रतियोगिता में 6 से 8 वर्ष की आयु के बच्चों ने भाग लिया ।

दिनांक 27 सितम्बर, 2022 को छात्र - छात्राओं हेतु लेखन - प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इस प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया । इसका संचालन डा. किरण रामटेके एवं उनकी टीम द्वारा किया गया ।

दिनांक 28 सितम्बर, 2020 को डा. मोनालिसा, डा. सौरव के नेतृत्व में एक बहुत ही रोचक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में कर्मचारियों ने काफी उत्साह से भाग लिया । इस प्रकार 15 दिनों में कुल 12 इवेंट का आयोजन किया गया । सभी प्रतियोगिता में कर्मचारियों एवं छात्र - छात्राओं ने उत्साहपूवैक भाग लिया ।

बृहस्पतिवार, दिनांक 29 सितंबर, 2022 को प्रात: 110.00 बजे समापन समारोह का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ मंच पर उपस्थित निदेशक डा. रविशंकर सी. एन., संयुक्त निदेशक डा. एन. पी. साहू, संयुक्त सचिव श्री राजीव लाल, मुख्य तकनीकी अधिकारी श्री प्रताप दास कुमार एवं सहा. मुख्य तकनीकी अधिकारी श्रीमती रेखा नायर के कम-कमलों से दीप-प्रज्ज्वलित कर हुआ । तत्पश्चात श्रीमती स्मिता कोली ने स्वागत गान प्रस्तुत किया । मुख्य तकनीकी अधिकारी श्री प्रताप दास कुमार ने हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं का प्रतिवेदन

प्रस्तुत किया तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियो का नाम घोषित किया । सभी विजयी प्रतिभागियों को निदेशक / संयुक्त निदेशक महोदय के कर-कमलों से नकद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए । इसके बाद मंच पर उपस्थित संयुक्त सचिव श्री राजीव लाल ने विशेष उद्‌बोधन प्रस्तुत किया । आपने पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए सालभर हिन्दी का प्रयोग, हिन्दी में काम करने की प्रेरणा दी । संयुक्त निदेशक डा. एन. पी. साहू ने अपने विशेष उद्‌बोधन में हिन्दी पुस्तक लेखन, गृह मंत्रालय एवं परिषद द्वारा संचालित विभिन्न पुरस्कार योजनाओं में भाग लेने की सलाह दी । कर्मचारियों से हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग बढ़ाने की बातें कही ।

कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं संस्थान के निदेशक डा. रविशंकर सी. एन. ने भाषा की महत्ता पर प्रकाश

डालतेहुए राजभाषा हिन्दी के अनुप्रयोग पर बल दिया । आपने समस्त कर्मचारियों से इस संवैधानिक दायित्व के निर्वहन में समुचित योगदान देने की बात कही । आपने संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण का संदर्भ देते हुए कहा कि हमें निर्धारित लक्ष्य (90%) की प्राप्ति हेतु संभव प्रयास करना चाहिए । आपने प्रशासन से जारी किए जाने वाले पत्र / परिपत्र / सूचना / अधिसूचना / धारा 3(3) के अंतर्गत सभी कागजात अनिवार्य रुप से द्विभाषी में ही जारी किए जाने का निदेश दिया और कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की नियमों का उल्लंघन नहीं किया जाए ।

निदेशक महोदय ने प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले सभी कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं को बधाई दिया । अंत में श्री सूरज गुप्ता, सहा. प्रशा. अधिकारी ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया । राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम को समाप्त किया गया । कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती रेखा नायर, सहा. मु. तक. अधिकारी ने किया ।

इसी के साथ उपकेन्द्रों क्रमश: कोलकाता, काकिनाड़ा एवं पवारखेड़ा के हिन्दी सप्ताह का प्रतिवेदन भी निदेशक महोदय के सेवा में प्रस्तुत है ।